**बालभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय**

**कक्षा – पंचम्** **दिनांक -10 - 11- 2020**

**विषय -हिन्दी** **विषय शिक्षक -पंकज कुमार**

**एन, सी, ई, आरटी, पर आधारित**

**सुप्रभात बच्चों आज पाठ -15 शिष्टाचार के पाँचवा एवं छठा नियमों के बारे में अध्ययन करेंगे ।**

पाँचवाँ नियम है -

अनुशासन का पालन। समाज में प्रतेक स्थान के लिए अनुशासन के कुछ नियम बनाए गए हैं। उस स्थान पर इन नियमों का पालन जरूरी होता है। जैसे-धार्मिक स्थान में प्रवेश करने से पहले जूते-च उनका पालन करते हैं। ये सभी बातें शिष्टाचार से संबंधित है। पाँचवाँ नियम है-अनुशासन का पालन। समाज में प्रत्येक स्थान के लिए -चप्पल उतारना; सड़क पर बाई ओर चलना; समय पर पहुँचना आदि अनुशासन के कुछ नियम हैं और आप उनका पालन करते हैं। ये सभी बातें शिष्टाचार से संबंधित है।

छठा नियम है

-भोजन का ढंग भोजन करने से पहले और बाद में हाथ धोने

भोजन करते समय अधीरता नहीं दिखानी चाहिए। भोजन बिना आवाज

किए मुँह बंद करके खाना चाहिए।

इसके अलावा भी कई अन्य बातें हैं, जो शिष्टाचार से संबंधित हैं- किसी सभा में शोर नहीं करना चाहिए- लोगों के बीच बैठकर अपने मुँह मियाँ मिटटू नहीं बनना चाहिए। मजा तब है जब दूसरे लोग प्रशंसा करें। राष्ट्रगान के अवसर पर सावधान की स्थिति में खड़ा होना चाहिए। बच्चों! शिष्टाचार हमारे व्यक्तिगत का दर्पण होता है, और कहते हैं कि दपर्ण कभी झूठ नहीं बोलता। हम अच्छे सुंदर कपड़े पहनकर और सजधज कर अपने शरीर को तो निखार सकते हैं लेकिन मन और व्यक्तित्व की सुंदरता शिष्टाचार से ही निखारी जा सकती है। शिष्टाचार के नियमों का पालन जीवन को सुगम और सुखमय बनाता है साथ ही, मन को प्रसन्नता भी मिलती है। शिष्टाचार युक्त व्यक्ति का सभी सम्मान करते हैं। जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए शिष्टाचार के नियमों का पालन

अनिवार्य है।